बुधवार
28 दिसम्बर 2022

पृष्ठ 4
सर्दियों में निखरी त्वचा पाना है तो लगाएं ग्लिसरीन और गुलाब जल

पृष्ठ 5
अजय देवगन की थैंक गॉड ओटीटी पर स्ट्रीम हुई

- देहरादून
- वर्ष 30
- अंक 314
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पराजय से सत्याग्रही को निराशा नहीं होती बल्कि कार्यक्षमता और लगन बढ़ती है।

– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाने की तैयारी शुरू

❑महिलाओं व बच्चों सहित हजारों की भीड़ विरोध में सड़कों पर

विशेष संवाददाता

हल्द्वानी। नैनीताल हाईकोर्ट के फैसले के बाद आज रेलवे पुलिस और राजस्व विभाग की टीम रेलवे की जमीन पर हुए अतिक्रमण को रेखांकित करने के लिए बनभूलपुरा की गफूर बस्ती पहुंची तो देखते ही देखते हजारों की संख्या में लोग भी इसका विरोध करने के लिए सड़कों पर उतर आए और सरकार तथा पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

हालांकि पुलिस प्रशासन तथा रेलवे पुलिस को इसका पहले से ही अंदेशा था इसलिए सुरक्षा के इंतजाम भी पुख्ता किए गए थे। भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में अधिकारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण का रेखांकन कार्य शुरू कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि यहां बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध बस्तियां बसा दी गई है इस क्षेत्र में लगभग 4365 आवासीय भवन बने हुए हैं। रेलवे की भूमि पर इस अतिक्रमण को लेकर अभी 2 सप्ताह

●अभी सिर्फ लाल निशान, ध्वस्तीकरण 8 जनवरी से ●लोगों से सहयोग व शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील

पूर्व हाईकोर्ट द्वारा रेलवे विभाग और जिला प्रशासन को अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए थे तथा जिनके भवन बने हैं उन्हें 1 सप्ताह का समय अपना सामान हटाने के लिए देने का नोटिस देने को कहा गया था।

जिला प्रशासन और रेलवे द्वारा इसकी तैयारी हाईकोर्ट के फैसले के बाद ही कर दी गई थी। जिलाधिकारी धीराज गर्ब्याल के निर्देश पर पुलिस ने क्षेत्रवासियों के 246 लाइसेंसी शस्त्र भी जमा करा लिए थे और अतिक्रमण क्षेत्र में बसे लोगों को नोटिस भी दिया जा चुका है। लेकिन वह फिर भी घर छोड़ने को तैयार नहीं है।

आज जब स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन का विरोध शुरू किया तो मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बनभूलपुरा जाने वाली सभी रास्ते ब्लॉक कर दिए गए और लोगों की आवाजाही रोक दी गई तथा लाल निशान लगाने शुरू कर दिए। प्रशासन द्वारा अभी चिन्हीकरण किया जा रहा है तथा जिन भवनों को तोड़ा जाना है उन पर लाल निशान लगाए जा रहे हैं। मौके पर सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, एसडीएम मनीष सिंह, एसपी सिटी हरबंस सिंह, एसएसपी जगदीश चंद्र तथा सीओ भूपेंद्र सैनी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद हैं समाचार लिखे जाने तक हजारों क्षेत्रवासी भी सड़कों पर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

प्रतिबन्धित काजल-काठ की लकड़ी के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

❑करीब 14 लाख की है बरामद लकडी

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने प्रतिबन्धित काजल-काठ की बेशकीमती लकडी के साथ सहारनपुर के तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। पकडी गयी लकडी की कीमत 14 लाख रूपयें आंकी जा रही है। पकडी गयी लकडी औषधि बनाने के काम में आती है।

आज यहां उच्च हिमालयी क्षेत्रों की दुर्लभ वन संपदा काजल की लकड़ी को फिल्म पुष्पा के अंदाज में पुष्पा बनकर अवैध रुप से तस्करी करते हुये 3 तस्करों को उत्तरकाशी पुलिस द्वारा पकडा गया है। अर्पण यदुवंशी, पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा जनपद में नशे पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने के साथ-साथ अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु भी सभी क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी/चौकी प्रभारियों को सतर्क रहकर रुटीन चौकिंग के निर्देश दिये गये हैं। जिसके क्रम में क्षेत्राधिकारी उत्तरकाशी अनुज कुमार के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली दिनेश कुमार के नेतृत्व में आज प्रात: 5 बजे के बीच डुण्डा पुलिस द्वारा बैरियर पर चैकिंग के दौरान वाहन मे 3 व्यक्तियों को प्रतिबन्धित काजल-काठ की लकड़ी की

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन मोदी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन की तबीयत बिगड़ गई है जिसके बाद उन्हें अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसी साल 18 जून को हीराबेन मोदी ने अपने 100 वर्ष पूरे किए हैं। उनके जन्मदिन के मौके पर वडनगर के हटकेश्वर मंदिर में पूजा की गई थी। गौरतलब है कि एक दिन पहले (मंगलवार) ही पीएम मोदी के भाई प्रहलाद मोदी और उनके परिवार के सदस्य कर्नाटक के मैसूर में एक कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से घायल हो गए। पीएम मोदी के छोटे भाई प्रह्लाद की कार के डिवाइडर से टकराने से ये हादसा हुआ था। गुजरात विधानसभा चुनाव के वक्त पीएम मोदी अपनी मां से गांधीनगर स्थित उनके आवास पर मिले थे। तस्वीरों में पीएम मोदी अपनी मां के बगल में बैठे नजर आए थे। उस वक्त पीएम मोदी अपनी मां के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था। मालूम हो कि स्वास्थ्य समस्याओं के चलते इससे पहले भी वह अस्पताल में भर्ती हो चुकी हैं। बता दें कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलासनाथन अपोलो अस्पताल पहुंच गए हैं।

सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को किया ढेर

जम्मू। सुरक्षाबलों ने जम्मू के सिद्ड़ा इलाके में जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर मुठभेड़ के दौरान उस ट्रक को उड़ा दिया जिसमें सवार तीन आतंकियों से करीब तीन घंटों तक मुठभेड़ चल रही थी। ट्रक में छुप कर सुरक्षाबलों पर हमला करने वाले तीनों आतंकी मारे गए हैं।

जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक एडीजीपी मुकेश सिंह ने बताया कि यह मुठभेड़ बुधवार सुबह उस समय शुरू हुई थी जब एक ट्रक में सवार होकर तीन आतंकी कश्मीर की ओर जा रहे थे। आरओपी द्वारा उन्हें जांच के लिए रोका गया तो ट्रक ड्राइवर बाथरूम का बहाना बनाकर भाग निकला और छुपे हुए आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी।

करीब तीन घंटों की मुठभेड़ के बाद

तीनों आतंकियों को मार गिराने में उस समय कामयाबी मिली जब सुरक्षाबलों ने कथित तौर पर ट्रक को मोर्टार से उड़ा दिया और उससे उसमें आग लग गई। बाद में जब फायर ब्रिगेड ने आग को बुझाया तो तीन आतंकियों के शव बरामद किए गए।

फिलहाल मारे गए आतंकियों की पहचान नहीं हो पाई है और न ही उस गुट की जिससे वे जुड़े हुए थे। बरामद किए गए हथियारों और गोला बारूद की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अभी तलाशी अभियान चल रहा है और पता लगाया जा रहा है कि कोई आतंकी धुंध का लाभ उठा कर भागने में कामयाब तो नहीं हुआ है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है ये आतंकी कहां से आए थे। कहा जा रहा है कि इन आतंकियों ने आज तड़के इंटरनेशनल बार्डर से घुसपैठ की थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों पर सवाल

बीते कल ऋषिकेश में एसटीएफ ने कॉमन सर्विस सेंटर पर छापा मारकर 3 लोगों को गिरफ्तार किया जो देश के अन्य प्रदेशों और विदेशियों के फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और पैन कार्ड बनाने का धंधा करते थे। सालों से चल रहे इस गोरखधंधे में लगे लोगों ने कितने लोगों के फर्जी दस्तावेज बनाए इसका कोई ब्यौरा नहीं मिल सका है। लेकिन देश की सुरक्षा के साथ यह कितना बड़ा खिलवाड़ है इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है महज दस हजार रूपये के लिए यह लोग सालों से इस काम को कर रहे थे लेकिन पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लग सकी। अभी दो-तीन दिन पहले राजधानी दून से सटे सेलाकुई में एक अवैध नशीली दवा बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ। लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी तब मिली जब पंजाब की पुलिस फैक्ट्री मालिक के बेटे को गिरफ्तार करके ले गई। बाद में स्थानीय पुलिस प्रशासन फैक्ट्री को सील करने की कार्यवाही और नशीली दवाओं की बरामदगी कर अपनी पीठ वैसे ही थपथपाते दिखा जैसे कि अब ऋषिकेश में पकड़े गए कॉमन सर्विस सेंटर का भंडाफोड़ करने वालों को इनाम देने की घोषणा की गई है। सेलाकुई में नशीली दवाओं की यह फैक्ट्री बिना किसी लाइसेंस के चल रही थी लेकिन पुलिस और खुफिया एजेंसी सोती रही और जब पंजाब में कुछ नशा तस्कर पकड़े गए तो पता चला कि यह नशीली दवाई उत्तराखंड से सप्लाई की जा रही हैं। यह घटनाएं तो महज बानगी भर है। इससे पूर्व भी ऋषिकेश के एक कॉल सेंटर से एक युवक व युवती को बंधक बनाकर रखे जाने और उनका इस्तेमाल कॉल सेंटर द्वारा ठगी के लिए देश विदेशों में कॉल कराने के लिए किया जाने का खुलासा हुआ था। इसकी भी पुलिस को तब जानकारी मिल सकी जब बंधक युवक व युवती यहां से भाग निकलने में सफल हो गए और पुलिस के पास पहुंच कर उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। अभी हाल ही में पुरोला और डोईवाला में जो धर्मांतरण के मामले प्रकाश में आए हैं वह भी स्थानीय लोगों के हंगामे के बाद ही पुलिस की जानकारी तक पहुंचे हैं। सवाल यह है कि आखिर इस सूबे की पुलिस और एलआईयू व दूसरी खुफिया एजेंसियां आखिर कर क्या रही हैं? राजधानी दून और उसके आसपास के क्षेत्रों में अनेक तरह की अनैतिक गतिविधियां चल रही हैं लेकिन पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इनकी भनक तक नहीं लग पाती है। एक पर्यटन राज्य होने के कारण यहां और अधिक सतर्कता की जरूरत है वैसे भी राज्य की सीमाएं चीन, नेपाल और भूटान जैसे देशों से लगती हैं ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से उतराखण्ड एक संवेदनशील राज्य है लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिस तरह की लापरवाहिंया देखी जा रही है उससे पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर शांति और कानून व्यवस्था को लेकर एसएसपी ने दिये निर्देश

हमारे संवाददाता

पौड़ी। नववर्ष की पूर्व संध्या पर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए एसएसपी ने समस्त क्षेत्राधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि हुड़दंग करने वाले उपद्रवियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्वेता चौबे द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त क्षेत्राधिकारियों को आगामी नव वर्ष-2023 के आगमन की पूर्व संध्या पर जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये गये है। उन्होने कहा कि जनपद के कोटद्वार क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले बैरियरों पर ऐल्कोमीटर के साथ शराब पीकर वाहन चलाने वालों, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों, हुड़दंग करने वालों के विरुद्ध सघन चैकिंग अभियान चलाकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाये साथ ही शहरी क्षेत्रों में पार्किंग स्थल चयनित किये जाये। लैन्सडाउन तथा लक्ष्मणझूला थाना क्षेत्र के अन्तर्गत पड़ने वाले रिसोर्ट मालिकों से गोष्ठी कर आवश्यक कार्यवाही की जाये। अपने-अपने सर्किल क्षेत्रान्तर्गत ऐसे होटल, रेस्टोरेन्ट, ढाबों, बारों की सूची तैयार करें, जहां नव वर्ष के आगमन की पार्टियों का आयोजन किया जाता है, आयोजन स्थलों पर भारत सरकार/ राज्य सरकार द्वारा जारी कोविड-19 की गाइडलाइन्स का सख्ती से पालन करायी जाये।

होटल, रेस्टोरेन्ट, ढाबों, बारों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों को पूर्व से चेक कर लें, जो सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे सम्बन्धित मालिकों को कैमरे ठीक कराने हेतु अवगत करायें।

उन्होने कहा कि थाना कोटद्वार की सनेह चौकी के निकट विगत वर्षों में कार्बेट नेशनल पार्क में असामाजिक तत्वों के जाने की शिकायतें प्राप्त हुयी हैं, जिसके दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी कोटद्वार सनेह चौकी बैरियर पर आवश्यक पुलिस बल नियुक्त कर भौतिक रुप से स्वयं चैक करे।

दुष्कर्म कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म कर उसके साथ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी महिला ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि मोहन लाल नौटियाल जो कि उत्तरकाशी में रहते है उनकी मुलाकात मुझसे पंडित श्रीराम मिश्रा के द्वारा करायी गयी थी पंडित द्वारा बताया गया था कि इनको विवाह के लिये तलाक शुदा की आवश्यकता है। वह पिछले दो वर्ष से अपने पति से अलग रह रही है जिसके मोहन लाल नौटियाल के द्वारा उसके वकील को पैसे दिये गये है कि वह उसके पति के साथ आपसी सहमति से तलाक करवा दें। जब उन्होंने उसके वकील को पैसे दिये उन्होंने उसको मिलने के लिये अपने घर सृष्टि विहार महेन्द्रा शोरूम के पीछे देहरादून बुलाया। जब वहं उनसे मिलने गयी तो जबरदस्ती उससे शारीरिक सम्बन्ध बनाये। जब उसने विरोध किया तो उनके द्वारा उनके घर में बने मन्दिर में उन्होंने उससे शादी कर मंगल सूत्र पहनाया और मांग भरी। तब कहने लगे कि अब से तुम्हारी सारी जिम्मेदारियां मेरी है। उसी दिन उसके फोन में कुछ खराबी चल रही थी तब इन्होंने उसे अपना फोन दिया और साथ में कानों की बालियां दी। उसके घर का किराया भी देते थे। अब इन्होंने मुझे फोन किया कि मेरे बेटे को पता चला गया है कि तुम नीच जाति की हो और मुझे फोन पर गन्दी गन्दी गाली देने लगे और उसको कहने लगे कि मैं जहर पी लूंगा यदि मेरे बारे में किसी को बताया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए किया पुतला दहन

देहरादून (सं)। सुराज सेवा दल ने स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए लैंसडोन चौक पर पुतला दहन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

आज यहां सुराज सेवा दल के कार्यकर्ता रमेश जोशी के नेतृत्व में लैसडाउन चौक पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर स्वास्थ्य विभाग का पुतला दहन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि आज स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री धनसिंह रावत नई बिल्डिंग बनाकर सरकार के बजट को खपाने में लगे हुए हैं। लेकिन मात्र बिल्डिंग बनाने से स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बन पाएंगी। सरकारी अस्पताल में डाक्टर नही हैं अगर डाक्टर हैं तो मशीनरी नहीं है स्टाफ पूरा नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर समय पर अस्पतालों में सुधार नहीं हुआ तो सुराज सेवा दल आंदोलन के लिए मजबूर होगा।

यात्रा से दूर रहीं विपक्षी पार्टियां!

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा जब फरीदाबाद पहुंची थी उससे पहले राहुल गांधी ने सभी विपक्षी पार्टियों के नेताओं को चिट्ठी लिखी थी और उनको यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया था। राहुल ने विपक्षी नेताओं को लिखा था कि भारत जोड़ो यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली पहुंच रही है, जिसमें शामिल होने के लिए वे आमंत्रित हैं। बताया जा रहा है कि राहुल ने कुल 15 पार्टियों के नेताओं को चिट्ठी लिखी थी। लेकिन दिल्ली में किसी विपक्षी पार्टी का नेता यात्रा में शामिल नहीं हुआ। दिल्ली पहुंचने से एक दिन पहले 23 दिसंबर को डीएमके सांसद कनिमोझी जरूर फरीदाबाद पहुंच कर यात्रा में शामिल हुईं, लेकिन राहुल के बुलावे पर 24 दिसंबर को कोई विपक्षी नेता नहीं पहुंचा।

कांग्रेस की तरह से कहा जा रहा है कि सरकार राहुल की यात्रा से घबरा गई और इसलिए उसने संसद का सत्र समय से पहले समाप्त कर दिया। कहा जा रहा है कि चूंकि संसद का शीतकालीन सत्र शुक्रवार को दोपहर में ही समाप्त हो गया इसलिए ज्यादातर पार्टियों के नेता अपने अपने क्षेत्र में चले गए और इस वजह से शनिवार को यात्रा में शामिल नहीं हुए। लेकिन यह बात तर्कसंगत नहीं लगती है। अगर विपक्षी पार्टियों को यात्रा में शामिल होना होता तो प्रतीकात्मक रूप से किसी भी नेता को उसमें शामिल होने के लिए भेजा जा सकता था।विपक्षी पार्टियों की दूरी से हैरानी इस कारण भी है कि संसद की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस की बुलाई बैठकों में विपक्षी पार्टियों के नेता शामिल हुए। मल्लिकार्जुन खड़गे की बुलाई बैठक में एक बार 17 विपक्षी पार्टियां शामिल हुईं तो दूसरी बार 12 पार्टियों के नेता पहुंचें। लेकिन राहुल के बुलावे पर 24 दिसंबर को एक भी पार्टी का नेता नहीं पहुंचा। तभी सवाल है कि क्या विपक्षी पार्टियां संसद के अंदर और बाहर अलग अलग रणनीति पर काम कर रही हैं? संसद के अंदर सरकार को घेरने के लिए उनको कांग्रेस की जरूरत है क्योंकि कांग्रेस विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन संसद के बाहर सभी पार्टियों की अपनी राजनीति है और वे कांग्रेस के साथ नहीं दिखना चाहती हैं।

यह भी कहा जा रहा है कि सबको पता था कि शुक्रवार को संसद का सत्र खत्म हो जाएगा और शनिवार को सबको अपने क्षेत्र में जाना है इसलिए वे यात्रा से नहीं जुड़ सकेंगे तो जिस तरह से कनिमोझी शुक्रवार को ही यात्रा में शामिल होने पहुंच गईं उस तरह से बाकी पार्टियों के नेता शुक्रवार को ही यात्रा में क्यों नहीं शामिल हो गए? विपक्षी पार्टियों के नेताओं के साथ कांग्रेस के समन्वय बनाने का सवाल भी उठ रहा है। कहा जा रहा है कि अगर विपक्षी पार्टियों को बुलाना था तो पहले उनसे बात होती और उसके बाद चिट्ठी लिखी जाती। (आरएनएस)

तवेदिन्द्र प्रणीतिषूत प्रशस्तिरद्रिवः।
यज्ञो वितन्तसाय्यः॥
(ऋग्वेद ८-६-२२)

हे परमेश्वर ! आपके मार्गदर्शन के अनुसार चलने से जीवन प्रशस्त हो जाता है। संसार में उचित नीति और नैतिकता में आप की ही महिमा परिलक्षित होती है।

O God ! Life becomes prosperous by following your guidance. Your glory is reflected in proper ethics and morality around the world. (Rig Ved 8-6-22)

मन्दिरों, गुरुद्वारों में चोरी करने वाले अर्न्तराज्यीय गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मन्दिरों व गुरूद्वारों में चोरी करने वाले अर्न्तराज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तर कर उनके कब्जे से गुरूद्वारे से चोर सामान बरामद कर लिया। इसकी जानकारी देते हुए एसपी देहात कमलेश उपाध्याय जानकारी देते हुए बताया कि गुरदेव सिंह पुत्र स्व. निरंजन सिंह ग्राम खैरी डोईवाला जनपद देहरादून ने थाना डोईवाला पर मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 18/19 दिसम्बर-2022 की रात्रि मे ग्राम खैरी द्वितीय मारखम ग्राण्ट स्थित श्री गुरुतेग बहादुर साहिब जी गुरुद्वारा डोईवाला में चोरों द्वारा गुरुद्वारे का दानपात्र को तोड़कर उसमें रखी नगदी व चाँदी का छत्र कीमती 40 हजार रूपये, गुरुद्वारा परिसर मे लगे सी.सी.टी.वी कैमरे व डी.वी. आर उखाड़ कर चोरी कर ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। धार्मिक स्थल पर हुयी चोरी की घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कोतवाली डोईवाला द्वारा अलग-2 टीमे तैयार की गयी। पुलिस टीमो द्वारा गुरुद्वारे के आसपास एवं थाना क्षेत्र में पढ़ने वाले अन्य सभी गुरुद्वारों मे लगे सीसीटीवी कैमरे को चैक किया गया। सीसीटीवी कैमरे चैक करने के उपरांत सिख समुदाय के 02 संदिग्ध व्यक्ति घटना से 01 दिन पूर्व सभी गुरुद्वारो में आते-जाते दिखायी दिये जिनकी गतिविधियां संदिग्ध होनी प्रकाश में आयी। सीसीटीवी कैमरे में आये संदिग्ध व्यक्तियो की पहचान हेतु पंपलेट तैयार कर सभी गुरुद्वारों को वितरित किए गए। संदिग्ध व्यक्तियो मे सिख समुदाय का 01 व्यक्ति कुलवन्त सिंह उर्फ राजू पुत्र बलवन्त सिंह निवासी फतेहगंज थाना गदरपुर जिला उधमसिंह नगर उत्तराखण्ड है, जो कई राज्यो मे मंदिर व गुरुद्वारों में चोरी करने वाले गैंग का सक्रिय गैंग लीडर हैं। उक्त गैंग द्वारा पूर्व में भी थाना राजपुर देहरादून स्थित साईं मंदिर में लाखों की चोरी की गई थी। इसके अतिरिक्त कोटद्वार के सिद्धबली मंदिर व अन्य प्रांतों हरियाणा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, आगरा में भी मन्दिरो व गुरुद्वारो मे चोरी की घटना की गई है। वह एक शातिर किस्म का चोर है जो दिन में गुरुद्वारे/मंदिरों की रैकी करता है व रात्रि मे चोरी की घटना को अंजाम देता है। पुलिस को पता चला कि राजू गदरपुर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। जिसके खिलाफ 15 मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने गत दिवस घटना मे शामिल दोनो अभियुक्तो को लालतप्पड़ गुरूद्वारे के निकट से गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से गुरूद्वारे से चोरी किये गये छत्र व नगदी बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है जिसका सरगना कुलवन्त सिंह उर्फ राजू है। पूछताछ में दूसरे ने अपना नाम अवतार सिह पुत्र सरजीत सिंह निवासी दिल्ली बताया। एसपी देहात ने बताया कि कुलवन्त सिंह के खिलाफ उत्तराखण्ड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश में मन्दिरों व गुरूद्वारों में चोरी के दर्जनों मुकदमें दर्ज है। वर्ष 2012 में इसने अपने साथियों के साथ राजपुर स्थित साईं मन्दिर से लगभग 35 लाख रूपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया था जिसमे इसको गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मोबाइल व पर्स लूटने वाले तीन गिरफ्तार एक फरार

देहरादून (सं)। पुलिस ने राहगीर से मोबाइल व पर्स लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट का मोबाइल व नगदी बरामद कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार बृजेश कुमार निवासी न्यू शताब्दीपुरम मकान नंबर 51 गोविंदपुरम गाजियाबाद के द्वारा 23 दिसम्बर को मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि चंद्रेश्वर नगर तिराहे के पास स्कूटी सवार अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा उनका मोबाइल फोन एवं पर्स जिसके अंदर नकद रुपए एवं अन्य कागजात थे लूट लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ऋषिकेश के द्वारा सादा एवं वर्दी में अलग-अलग पुलिस टीम गठित कर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। गठित पुलिस टीमों के द्वारा उपरोक्त घटना के अनावरण हेतु घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। बस अड्डा ऋषिकेश के पास से तीन लोगों को घटना में प्रयुक्त स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर घटना से संबंधित माल बरामद किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अनुराग राजपूत पुत्र गिरीश राजपूत निवासी चंद्रेश्वर नगर, आर्यन सरदार पुत्र तनु सरदार निवासी चंद्रेश्वर नगर, अमन गौड पुत्र अंगद गौड निवासी चंद्रेश्वर नगर बताये। पूछताछ के आधार पर घटना में तीनों के साथ एक अन्य अर्जुन गौड़ का सम्मिलित होना प्रकाश में आया है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह नशे के आदि हैं तथा नशे की पूर्ति के लिए घटनाओं को अंजाम देते हैं। पुलिस ने अर्जुन गौड को फरार घोषित कर तीनों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सर्दियों में त्वचा की खुजली से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

सर्दियों के मौसम में अक्सर हम सभी की त्वचा ड्राई हो जाती है, जिसकी वजह से खुजली और जलन होती है। इससे राहत पाने के लिए लोग त्वचा को ज्यादा खरोंच लेते हैं। इससे त्वचा की सुरक्षात्मक बाधा को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा एलर्जी और रसायनों के संपर्क में आने और मौसम में बदलाव के कारण भी खुजली हो सकती है। आइए आज हम आपको खुजली से राहत पाने के लिए पांच घरेलू नुस्खे बताते हैं।

पेपरमिंट ऑयल का इस्तेमाल करें

पेपरमिंट ऑयल एक ऐसा एसेंशियल ऑयल है जो पुदीने की पत्तियों से तैयार होता है। यह ठंडा होता है और मामूली जलने, कटने, छिलने, दानों, ड्राईनेस और कीड़े के काटने आदि के कारण होने वाली खुजली से राहत देता है। 2012 के एक अध्ययन के अनुसार, इस ऑयल में मेंथॉल होता है, जो गर्भवती महिलाओं में खुजली वाली त्वचा का इलाज करता है। यह त्वचा की जलन के कारण होने वाले दर्द को शांत करने में भी मदद करता है।

ओट्स से नहाएं

ओट्स का इस्तेमाल सदियों से त्वचा की कई स्थितियों के इलाज के लिए किया जाता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण रूखेपन, त्वचा की खुजली और खुरदुरेपन को कम करने में मदद करते हैं। कोलाइडियल ओट्स (बारीक पिसा हुआ) से नहाने से त्वचा की सूजन कम हो सकती है, जिसकी वजह से खुजली होती है। यह आपकी त्वचा को फिर से हाइड्रेट करने में भी मदद करता है और खुजली की तीव्रता को कम करता है।

एलोवेरा का इस्तेमाल करें

त्वचा की देखभाल के लिए एलोवेरा काफी उपयोगी है। इसके एंटी-फंगल गुण रूखी त्वचा को ठीक करके खुजली और सूजन को कम करने में काफी मददगार हैं। इसके अलावा यह आपकी त्वचा को साफ और चमकदार भी बनाता है। आप दिन में दो बार सीधे प्रभावित क्षेत्र पर ताजा एलोवेरा जेल लगा सकते हैं। यह सभी प्रकार की त्वचा पर उपयोग करने के लिए सुरक्षित है। इसमें मौजूद स्किन-स्मूथिंग एजेंट रूखी त्वचा को मॉइस्चराइज भी करते हैं।

पानी में नीम के पत्ते डालकर नहाएं

नीम भारतीय घरों में उपयोग की जाने वाली सबसे लोकप्रिय जड़ी-बूटियों में से एक है। यह न केवल खुजली से राहत देने में मदद करता है, बल्कि आपकी त्वचा को हानिकारक संक्रमणों से भी बचाता है। नीम में मौजूद एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर पर होने वाले रैशेज को भी ठीक करते हैं। इसके लिए 30 मिनट तक पानी में नीम के पत्तों को भिगोकर इस पानी से नहाएं। इसकी मदद से खुजली, सूखी और चिड़चिड़ी त्वचा से राहत मिलेगी।

प्रभावित जगह पर लगाएं सेब का सिरका

सेब का सिरका एंटी-सेप्टिक, एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। यह सूखी, खुजली और जलन वाली त्वचा को ठीक करने में मदद करता है। यह त्वचा की एसिडिटी के स्तर को बहाल करके एक्जिमा से भी राहत देता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए थोड़े से सेब के सिरके को प्रभावित जगह पर डॉयरेक्ट लगा लें। यह त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित करेगा, उपचार प्रक्रिया को तेज करेगा और खुजली को बेअसर करने में मदद करेगा। (आरएनएस)

पुलिस ने चोरी की काफी मशीन के साथ किया गिरफ्तार

संवादाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की कॉफी मशीन के साथ एक को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन सिह निवासी ब्रहमपुरी निरंजनपुर ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके घर से अनुज त्रिपाठी पुत्र देवनारायण त्रिपाठी निवासी ब्रह्मपुरी थाना पटेलनगर देहरादून द्वारा कॉफी मशीन चोरी करके ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस की जांच में प्रकाश में आया कि नामजद व्यक्ति पूर्व में भी चोरी व नकबजनी के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक सन्दिग्ध व्यक्ति ब्रहमपुरी शिव मन्दिर के आस-पास घूमते हुए दिखाई दे रहा है जिसने ब्रहमपुरी निरंजनपुर घर के अन्दर से कॉफी मशीन चोरी कर ली थी वह आज उसे बेचने की फिराक मे है। पुलिस ने मौके पर पहुंच उसको गिरफ्तार कर उसके कब्जे से काफी मशीन बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नामे अनुज त्रिपाठी बताया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

श्रमिकों वेतन ना देने पर सीटू का प्रदर्शन

देहरादून (सं)। संविदा श्रमिक वेतन ना देने पर सीटू का हथियारी यूजेवीएनएल के बाहर प्रदर्शन किया। यहां सीटू से सम्बद्ध संविदा श्रमिक संघ की शाखा हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना हथियारी यू.जे.वी.एन.एल के संविदाकार कम्पनी फिटवेल के श्रमिकों को माह नवम्बर 2022 का वेतन अभी तक नही दिया गया है जबकि व्यासी हाइड्रो प्रोजेक्ट से 250 करोड़ का फायदा मात्र 9 माह में कमाया गया है। किंतु श्रमिकों को वेतन नही दिया जा रहा है इस संदर्भ में पहले ही समझौता किया गया था कि श्रमिको को महा की 15 तारीख से पहले ही वेतन दिया जाएगा। श्रमिकों ने कम्पनी प्रबन्धक से वेतन देने की मांग की तो वे जिम्मेदारी डाल रहे है कि उन्होंने भुगतान नही किया है इस लिए श्रमिक हड़ताल पर चले गए है और हड़ताल जारी है। इस अवसर पर सीटू के प्रांतीय सचिव लेखराज ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि श्रमिको की कीमत पर परियोजना से लाभ कमाया जा रहा है किंतु श्रमिको को देने के लिए वेतन नही है। उन्होने कहा कि यदि यूजेवीएनएल। अपनी कार्यशैली नही बदलता है तो वे यूजेवीएनएल के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगे और अन्य मांगों को लेकर उप श्रमायुक्त व जिलाधिकारी से इनके खिलाफ कार्यवाही की मांग करेंगे। इस अवसर पर हथियारी स्थित पवार हाउस पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में सीटू के जिला उपाध्यक्ष भगवंत पयाल यूनियन अध्यक्ष नवीन तोमर, कैलाश तोमर, जनक सिंह, सत्यपाल, राजपाल, रोहित कुमार, संजीत चौहान, अजित रावत, शमशेर सिंह, अनिल कुमार, सुभाष कुमार, संदीप गुप्ता, सतनाम सिंह, उदयवीर, सुनील, बरुदत्त, राकेश कुमार, सन्नी कुमार, बलबीर नेगी, बिट्टू पुंडीर आदि बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्तिथ थे।

रात में 8 बजे से पहले खाएं दूध रोटी!

रात में दूध रोटी खाने के फायदे- रात में दूध रोटी खाना भले ही एक नीरस भोजन लग रहा हो लेकिन, सेहत के लिए ये बहुत ही फायदेमंद है। जी हां, अगर आप रात में 8 बजे से पहले दूध रोटी खा लेते हैं तो इससे आपके शरीर को कई स्वास्थ समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। साथ ही इससे आपका फास्टिंग शुगर लेवल भी नहीं बढ़ेगा और दिन भर आपका पेट और एनर्जी लेवल भी सही रहेगा। इसके अलावा भी रात में दूध रोटी खाने के फायदे कई हैं। कैसे, जानते हैं।

1. वेट लॉस में मददगार : रात में दूध रोटी खाने से आपको वेट लॉस में मदद मिल सकती है। दरअसल, ये हाई कैलोरी वाला होने के साथ शरीर का मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है। इससे से आप जो भी खाते हैं अच्छे से पच जाता है और वजन नहीं बढ़ता है। साथ ही इससे फूड क्रेविंग भी नहीं होती है जिससे भूख कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

2. सोने के बाद एसिडिटी नहीं होती : दूध रोटी आसानी से पच जाता है। जी हां, क्योंकि जब आप इसे खाते हैं तो पेट इसे एक थोक भोजन के रूप में लेता है और तेजी से काम करता है और इसे पचा देता है। इससे आपको रात में सोने के बाद गैस और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है। तो, इसलिए आपको रात में दूध रोटी खाना चाहिए।

3. कब्ज नहीं होती : कब्ज की समस्या आजकल हर किसी को परेशान कर रही है। ऐसे में दूध रोटी पेट को साफ करने में मदद करता है। ये बॉवेल मूवमेंट को तेज करता है और कब्ज को होने से रोकता है। इसलिए इसे खा कर जब सुबह आप उठते हैं तो आपका पेट साफ हो जाता है।

4. नींद सही रहती है : बहुत भारी भोजन खाना या तेल मसाले वाली चीजों को खाना आपकी नींद को प्रभावित करता है। ऐसे में होता ये है कि आपका शरीर इसे पचाने के लिए रेगुलर दिमाग से बात करता है और जगा रहता है। इससे गहरी नींद नहीं आती है। ऐसे में दूध रोटी जब आसानी से पच जाती है तो आपको आराम से नींद आती है।(आरएनएस)

ग्लाइकोलिक एसिड बनाम सैलिसिलिक एसिड: जानिए त्वचा के लिए क्या है ज्यादा बेहतर

ग्लाइकोलिक और सैलिसिलिक एसिड दो ऐसी सामग्रियां हैं, जो आमतौर पर कई स्किन केयर प्रोडक्ट्स जैसे टोनर और क्लींजर में मौजूद होती हैं। ये दोनों त्वचा के लिए अच्छी मानी जाती हैं। हालांकि कई महिलाएं इस उलझन में रहती हैं कि इनमें से त्वचा के प्रकार के अनुसार किसे चुनना चाहिए और इनमें से कौन त्वचा को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाएगा। आइए आज इस लेख में आपको इन्हीं सवालों के जवाब देते हैं।

ग्लाइकोलिक एसिड क्या है? : ग्लाइकोलिक एसिड एक कार्बनिक यौगिक है जो अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड के समूह से संबंधित है। यह यौगिक आमतौर पर गन्ना, नींबू और खरबूजे जैसे मीठे और खट्टे फलों में पाया जाता है। यह एसिड पानी में घुलनशील होता है और एक्सफोलिएंट के रूप में कार्य करता है। यह त्वचा को चमकदार बनाने, मुंहासों की समस्या से बचाने और समय से पहले उभरने वाले बढ़ती उम्र के लक्षणों को दूर करने में मदद सकता है।

सैलिसिलिक एसिड क्या है? : सैलिसिलिक एसिड एक ऐसा यौगिक है जो मुख्य रूप से पौधों में होता है। यह एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। इसके अतिरिक्त यह एक्सफोलिएट के रूप में भी काम करता है। इसका इस्तेमाल स्किन केयर प्रोडक्ट्स में अलग-अलग अनुपात में होता है। हालांकि रूखे प्रकार की त्वचा वालों को सैलिसिलिक एसिड युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए क्योंकि यह त्वचा को और ज्यादा रूखा बना सकता है।

किस तरह की त्वचा के लिए किसका इस्तेमाल है आदर्श? : ग्लाइकोलिक एसिड युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स रूखी और कॉम्बिनेशन त्वचा के लिए ज्यादा अच्छा है। अगर आप असमान त्वचा या हाइपरपिग्मेंटेशन को कम करना चाहते हैं तो इसका इस्तेमाल करें। यह एंटी-एजिंग के तौर पर भी कार्य करता है। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए भी इसका इस्तेमाल करें। सैलिसिलिक एसिड वाले स्किन केयर प्रोडक्ट्स तैलीय त्वचा के लिए अच्छे होते हैं। यह त्वचा के कोलेजन उत्पादन को बढ़ाकर झुर्रियों को कम करने में भी मदद कर सकता है।

ग्लाइकोलिक और सैलिसिलिक एसिड में से किसका चयन करें? : ग्लाइकोलिक और सैलिसिलिक एसिड, दोनों को ही स्किन केयर प्रोडक्ट्स की महत्वपूर्ण सामग्रियां होती हैं। हालांकि अगर आपकी त्वचा रूखी है तो सैलिसिलिक एसिड वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सर्दियों में निखरी त्वचा पाना है तो लगाएं ग्लिसरीन और गुलाब जल

सर्दियों के मौसम में त्वचा का ख्याल रखना आसान काम नहीं होता, चाहे आप कितना ही इन्हें रूखा होने से बचाने की कोशिश करे लेकिन ये ड्राय हो ही जाती है। रूखी और फटी हुई त्वचा दिखने में बहुत खराब लगती है। यदि आप सर्दियों में भी कोमल त्वचा पाना चाहती हैं तो इस बार ठंड में ग्लिसरीन और गुलाबजल का भरपूर इस्तेमाल करें। आइए, जानते हैं सर्दी में ग्लिसरीन और गुलाबजल इस्तेमाल करने के बेहतरीन फायदे –

ग्लिसरीन के साथ गुलाबजल का मिश्रण आपकी त्वचा को नमी के साथ-साथ निखार भी देता है। सर्दियों में रूखी त्वचा से आप भी परेशान हो रहे हैं, तो ग्लिसरीन और गुलाबजल मिलाकर सोते वक्त अपनी त्वचा पर जरूर लगाकर देखें।

इस मिश्रण का त्वचा पर प्रयोग कर आप अपनी त्वचा को मौसम के अनुकूल आसानी से बना सकते हैं। यह आपकी त्वचा का रूखापन, मृत त्वचा ओर अन्य अनियमितता को हटाकर कंडिशनिंग करता है। बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम कर यह आपको जवां दिखने में मदद करता है। गुलाबजल में एंटी एजिंग गुण मौजूद होते हैं और ग्लिसरीन का इस्तेमाल आपकी झुर्रियों को कम कर सकता है। सर्दी के दिनों में देखभाल के बावजूद त्वचा बेजान और ढीली हो जाती है। इससे बचने के लिए ग्लिसरीन और गुलाबजल का मिश्रण आपके लिए काम की चीज है। यह आपकी त्वचा करे खिला-खिला बनाए रखने में मददगार है। रात के समय इस मिश्रण का इस्तेमाल आपकी त्वचा को ठंड के दुष्प्रभाव से बचाता है, साथ ही उसे चिकनाई प्रदान करता है जिससे त्वचा में रूखापन नहीं रहता और उसकी दमक भी बढ़ जाती है।

क्या है पानी पीने का सही तरीका...

पानी के बगैर जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। पानी पीना लगभग हर बीमारी का इलाज माना जाता है। डॉक्टरों के मुताबिक हमे रोज कम से कम 8 से 10 ग्लास तक पानी पीना चाहिए। लेकिन हर चीज के कुछ फायदे होते है वैसे ही कुछ नुकसान भी होते हैं। पानी पीने का सही तरीका खुद के सेहत को तंदुरुस्त रखने के लिए जानना जरूरी है। आईए पानी पीने के सही तौर-तरीके को एक-एक कर जानते हैं।

-अपने दिन की शुरूआत पानी के साथ करनी चाहिए। आप जितना पानी पी सके उतना ही पानी पीना चाहिए। इस वक्त पानी पीना आपके पूरे शरीर को साफ करने के लिए जरूरी होती है। इससे ना सिर्फ पानी शरीर की गंदगी की सफाई ही नहीं करता है बल्कि आपको यह दिनभर में तरोताजा रखने में मददगार साबित होता है। पानी का एक-एक घूंट धीरे-धीरे पीना चाहिए।

खाना खाने के बाद कम से एक पानी पीने के लिए कम से कम एक घंटे का अंतर होना जरूरी होता है। अगर आप खाने के तुरंत बाद पानी पीते है तो आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आयुर्वेद के अनुसार भोजन के बाद पानी पीना जहर के सामान है।

कभी भी खड़े होकर पानी नहीं पीना चाहिए। इससे आपके घुटनों पर जोर पड़ता है और अर्थराइटिस होने का खतरा रहता है। फ्रिज का बेहद ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए। इसलिए पाचन क्रिया मंद होती है। कुछ लोगों को ज्यादा ठंडा पानी पीने की आदत होती है।ज्यादा ठंडा पानी गुर्दे खराब कर देता है। खाने के बाद मुंह और गले को साफ़ करने के लिए 1 या 2 घूंट गर्म या गुनगुना पानी लिया जा सकता है ।

शब्द सामर्थ्य -80

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

1		■	2		3	4	■	■
	■	5		■	6		7	■
8	9		■	10		■	11	
■	12		■	13		14	■	■
■	15			■	■	16	17	
■	18		■	19				■
■	■	■	20		■	21		■
■	22						■	23
24		■	25		■	■	26	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 79 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

अपनी नई फिल्म कुत्ते को लेकर अर्जुन कपूर ने साझा किया अनुभव

अभिनेता अर्जुन कपूर कुत्ते का ट्रेलर साझा करने के लिए उत्साहित हैं, जिसका अनावरण अगले सप्ताह किया जाएगा। अभिनेता का कहना है कि इस तरह की फिल्म किसी भी अभिनेता के लिए सीखने का एक अच्छा जरिया है। कुत्ते एक डार्क कॉमेडी फिल्म है, इसमें कोंकणा सेन शर्मा, कुमुद मिश्रा और राधिका मदान, तब्बू और नसीरुद्दीन शाह जैसे उत्कृष्ट कलाकार हैं।

इस फिल्म का निर्देशन फिल्म निर्माता विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज ने किया है। फिल्म कुत्ते में अर्जुन कपूर एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा है, मुझे इंतजार है कि जब कुत्ते का ट्रेलर रिलीज होगा तो लोग इसको लेकर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

पर मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा। आगे अपनी बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मेरे लिए कुत्ते बहुत खास फिल्म है। मुझे लव रंजन जैसे प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता के साथ काम करने का मौका मिला, आसमान भारद्वाज जैसे उल्लेखनीय नवोदित निर्देशक, विशाल भारद्वाज को निर्माता, लेखक और संगीतकार के रूप में जानने का मौका मिला, गुलजार साब ने गीत लिखे हैं।

इसके साथ मैंने इस फिल्म में बेहतरीन कलाकारों जैसे तब्बू, कोंकणा सेन शर्मा, नसीर सर, कुमुद जी, शार्दुल भारद्वाज और राधिका मदान के साथ काम किया। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए फिल्म की शूटिंग करना बहुत मजेदार था और यह सीखने का भी एक शानदार अनुभव था।

इस तरह की फिल्म किसी भी अभिनेता को बहुत कुछ सिखाती है और मुझे लगता है कि मैंने अपने कौशल को हमारे देश के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं के साथ तराशा है। मैं कुत्ते के ट्रेलर के लिए लोगों की प्रतिक्रिया देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। कुत्ते 13 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सारा अली खान ने पूरी की 'ऐ वतन मेरे वतन' की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने अपनी आने वाली फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' की शूटिंग पूरी कर ली है। सारा अली खान 'ऐ वतन मेरे वतन' में स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका में नजर आएंगी। सारा ,उषा मेहता के किरदार में नजर आएंगी। 'ऐ वतन मेरे वतन' धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनायी जा रही है। ऐ वतन मेरे वतन को कन्नन अय्यर ने निर्देशित किया है वहीं, फिल्म की कहानी दरब फारूकी ने लिखी है।

सारा अली खान ने अपनी इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तस्वीरें साझा कर दी हैं। सारा अली खान ने तस्वीरें साझा कर बताया कि वह बीते कई दिनों से ऐ वतन मेरे वतन के लिए नाइट शेड्यूल की शूटिंग कर रही थीं, लेकिन रविवार को उन्होंने अपने इस शेड्यूल की शूटिंग को पूरा कर लिया है। इस तस्वीर में एक केक भी नजर आ रहा है, जिसमें पर लिखा है इट्स रैप। साथ ही उन्होंने तस्वीर में ऐ वतन मेरे वतन भी लिखा है।

गौरतलब है कि उषा मेहता स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सीक्रेट रेडियो ऑपरेटर थीं। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के दौरान अहम भूमिका निभाई थी। उषा मेहता ने सीक्रेट रेडियो सर्विस 'कांग्रेस रेडियो' की शुरुआत की थी। इस सर्विस रेडियो की मदद से उस समय वह सारी जानकारी और अन्य खबरें शेयर की जाती थीं, जिस पर उस दौरान अंग्रेजों ने पाबंदी लगा रखी थी।

मिर्जापुर की डिम्पी ने की बोल्डनेस की हदें पार

वेब सीरीज की दुनिया में तहलका मचाने वाली सीरीज मिर्जापुर में डिम्पी का किरदार निभाने वाली हर्षिता गौर बेहद ही ग्लैमरस हैं। उनकी किलर और हॉटनेस से भरी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। सीरीज के अब तक दो सीजन आ चुके हैं। वहीं, इसके तीसरे सीजन की तैयारी चल रही हैं। एक्ट्रेस हर्षिता गौर के दोनों सीजन में किरदार देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं। मिर्जापुर वेब सीरीज में अपने डिम्पी के किरदार से अलग हटकर हर्षिता गौर रियल लाइफ में बेहद ही ग्लैमरस हैं।

हर्षिता गौर अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से फैंस के दिलों पर कहर बरपाने का हुनर बखूबी जानती हैं। एक्ट्रेस हर्षिता गौर ब्रालेट पहनकर अपना बोल्ड फोटोशूट करवाया है, जिसमें एक्ट्रेस गजब की बला नजर आ रही हैं। हर्षिता ने ब्रालेट के साथ मिनी स्कर्ट और ब्लू कलर का ओवर कोट पहन रखा है। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए लॉन्ग रिंग के ईयरिंग्स और हाथ में ब्रेसलेट पहने नजर आ रही हैं। बूट लुक में मिर्जापुर की डिम्पी बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। फैंस उनकी तस्वीरों को बारीकी से निहार रहे हैं।

एक्टिंग के साथ ही अपने बोल्ड लुक से फैंस के दिलों को धड़काने वाली हर्षिता गौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हर्षिता के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें जल्द ही मिर्जापुर 3 वेब सीरीज में देखा जाने वाला है। एक्ट्रेस हर्षिता अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं।

अजय देवगन की थैंक गॉड ओटीटी पर स्ट्रीम हुई

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म थैंक गॉड को अब दर्शक मुफ्त में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे। दरअसल, अभी तक फिल्म थैंक गॉड ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रेंटल प्लान के तहत उपलब्ध थी। वहीं अब यह फिल्म प्रत्येक सब्सक्राइबर के लिए उपलब्ध है। बता दें कि यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें अजय का किरदार चित्रगुप्त से प्रेरित है। वहीं फिल्म की कहानी सिद्धार्थ के किरदार के ईद-गिर्द घूमती नजर आती है।

अजय की फिल्म थैंक गॉड विवादों में भी फंस चुकी है। दरअसल, फिल्म पर हिंदू देवता चित्रगुप्त का अपमान करने का आरोप लगा था। लोगों का कहना था कि चित्रगुप्त के किरदार के हिसाब से अजय के कपड़े, उनके संवाद और दृश्य काफी अभद्र और आपत्तिजनक हैं। हालांकि, विवाद को बढ़ता देख मेकर्स ने फिल्म में जरूर बदलाव कर दिए थे। उन्होंने फिल्म में अजय के नाम को भी बदलकर सीजी कर दिया था। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म थैंक गॉड बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने तीन हफ्तों में मात्र 36.35 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं थैंक गॉड के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 48.99 करोड़ का कारोबार किया था। यानी 70 करोड़ रुपये के बजट में तैयार हुई यह फिल्म अपनी लागत का मात्र 69.98 फीसदी ही कमा पाई थी।

फिल्म सर्कस के जरिए अजय एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। बता दें कि रणवीर सिंह की इस फिल्म में अभिनेता स्पेशल एपियरेंस देंगे। अजय की फिल्म मैदान भी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। बता दें कि मैदान फुटबॉल कोच सईद अब्दुल रहीम की बायोपिक है। इसमें अजय कोच सईद की भूमिका निभाते दिखेंगे। यह फिल्म अगले साल 17 फरवरी को रिलीज होगी। इसके अलावा भोला और नाम भी अभिनेता की आने वाली फिल्मों में शुमार हैं।

सिद्धार्थ अपनी आगामी फिल्म मिशन मजनू को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। मिशन मजनू की कहानी पाकिस्तान की धरती पर भारत के सबसे महत्वाकांक्षी रॉ ऑपरेशन पर आधारित है। यह फिल्म 18 जनवरी, 2023 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसके अलावा सिद्धार्थ कि एक्शन और रोमांच से लबरेज योद्धा 7 जुलाई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में दिशा पाटनी और राशि खन्ना अहम भूमिका में हैं।

एआर रहमान-आशा भोसले के ट्रैक याई रे में हनी सिंह ने डाला ईडीएम का तड़का

रैपर यो यो हनी सिंह ने 1990 के दशक की हिट फिल्म रंगीला का सुपरहिट ट्रैक याई रे को रीक्रिएट किया है, जो ग्रैमी और ऑस्कर विनर कंपोजर ए.आर. रहमान का पहला हिंदी साउंडट्रैक था। रीक्रिएटेड नंबर में ईडीएम (इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक)हैं, जो इसे एक पार्टी एंथम बनाती है।

गाने में यूलिया वंतूर को एक नए अवतार में दिखाया गया है। गाने के बारे में बात करते हुए हनी सिंह ने कहा, मुझे ओरिजिनल सॉन्ग याई रे बहुत पसंद आया और जब इस तरह के आइकोनिक ट्रैक को फिर से बनाने का अवसर आया तो मैं इसे करने के लिए फौरन तैयार हो गया! याई रे 2022-2023 का पार्टी एंथम है।

हमें उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितना इसके ओरिजनल थीम को किया गया था। म्यूजिक वीडियो मिहिर गुलाटी द्वारा निर्देशित है, जिन्होंने हनी सिंह के साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। वीडियो एक क्लब में सेट किया गया है, जहां हनी और यूलिया दोनों को बिल्कुल नए याई रे के हुक-स्टेप पर डांस करते हुए दिखाया गया है।

यूलिया वंतूर ने कहा, जब मैंने पहली बार गाना सुना तो मैं खुद को डांस करने से रोक नहीं पाई। यह गाने की वाइब है, यह एक नई एनर्जी लाती है और आपको खुश महसूस कराती है। यह ओरिजनल ट्रैक लेजेंड ए.आर. रहमान का है। हनी सिंह ने अपने स्टाइल से इसे मसालेदार बनाने का काम किया है। मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि यो यो हनी सिंह और टिप्स ने मुझे इस अमेजिंग सॉन्ग का हिस्सा बनाने के बारे में सोचा। इस म्यूजिक वीडियो के लिए सिंगिंग और शूटिंग करना बिल्कुल मजेदार था। मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे जितना हम करते हैं। यह वास्तव में हम सभी के लिए एक खुशहाल नया साल होने जा रहा है। याई रे टिप्स म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है। (आरएनएस)

'बेशर्म रंग' के लिए दीपिका पादुकोण का ट्रोल होना गलतः राम्या

कन्नड़ इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस और पूर्व सांसद राम्या उर्फ दिव्या स्पंदना दीपिका पादुकोण की अपकमिंग फिल्म 'पठान' के एक गाने 'बेशर्म रंग' पर विवाद पैदा होने के बाद उनके समर्थन में उतरी। देश भर के हिंदुत्व कार्यकर्ताओं ने गाने पर आपत्ति जताई है और कहा है कि एक्ट्रेस की ड्रेस लव जिहाद को बढ़ावा देती है। लंबे समय के बाद कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में वापसी कर रही एक्ट्रेस राम्या ने दीपिका को कपड़ों के लिए ट्रोल किए जाने के लिए नारी द्वेष को जिम्मेदार ठहराया है।

राम्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, सामंथा को उनके डायवोर्स के लिए ट्रोल किया गया। साई पल्लवी को उनके ओपिनियन के लिए, रश्मिका को उनके सेपरेशन के लिए, वहीं दीपिका को उनके कपड़ों के लिए, कई अन्य महिलाओं को हर चीज के लिए ट्रोल किया गया। चुनने का अधिकार हमारा बेसिक राइट है। महिलाएं मां दुर्गा का रूप मानी जाती हैं, लेकिन इस बुरी भावना के खिलाफ हमें लड़ना ही होगा।

कन्नड़ फिल्म 'स्वाति मुत्तिना माले हनीये' का निर्माण करने के अलावा, वह इसमें एक प्रमुख भूमिका भी निभाएंगी। कन्नड़ अभिनेता और कार्यकर्ता चेतन कुमार ने 'बेशर्म रंग' गाने के विरोध को तुच्छ बताया था।

दूसरी ओर, श्री राम सेना के संस्थापक प्रमोद मुथालिक ने चेतावनी दी थी कि अगर गाने को वापस नहीं लिया गया तो वे 'पठान' पर प्रतिबंध लगाने के लिए देशव्यापी अभियान शुरू करेंगे।

मुफ़्त की रेवड़ी बनाम गरीबों की मदद

अजय दीक्षित

मानवीय मूल्यों में गिरावट का चरम तब उजागर हुआ जब एक सड़क दुर्घटना में घायल ट्रक चालक की मदद के बजाय लोग ट्रक में भरी सेब की एक हजार से अधिक पेटियां लूट ले गये। चालक चीखता रहा, राहगीर व ग्रामीण सेब की पेटियां लूटते रहे। पंजाब के फतेहगढ़ साहब में जीटी रोड पर स्थित गांव राजेंद्रगढ़ के निकट कार को बचाने के प्रयास में एक सेब से भरा ट्रक पलट गया। घायल चालक व परिचालक प्राथमिक उपचार के बाद लौटे तो देखा कि ट्रक में लदी सेब की पेटियां लूटी जा रही हैं। चालक के अनुसार, ट्रक पलटने से सौ के करीब ही पेटियां बाहर गिरी थी, लेकिन राहगीर व ग्रामीण बारह सौ से अधिक पेटियां लूट ले गये। अमृतसर निवासी चालक जम्मू-कश्मीर से ट्रक में सेव भरकर ओडिशा-झारखंड ले जा रहा था। चालक बार बार ऐसा न करने की दुहाई देता रहा। कहता रहा कि वह मालिक को क्या जवाब देगा। लेकिन किसी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। यहां तक कि रास्ते से गुजरते बड़ी गाड़ियों में सवार लोग भी पेटी लूटने का लोभ नहीं त्याग सके। मगर जब किसी राहगीर द्वारा घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया तो वह वायरल हो गया। देश ही नहीं, कनाडा-अमेरिका से इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। देश-दुनिया के पंजाबियों ने वीडियो देखकर घटना को शर्मसार करने वाला माना। सभी ने घटना की भर्त्सना की और ट्रक चालक की मदद की पेशकश की। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। सरकार ने भी कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वीडियो में देखे गये लोगों के फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों से उनके

बारे में सूचना देने को कहा गया। शाम होते-होते लूट में शामिल कुछ लोगों की शिनाख्त की गयी है। यही नहीं, घटना से व्यथित लोग सामने आये और ट्रक चालक के नुकसान की भरपाई के लिये चेक देकर सार्थक पहल की। सवाल उठता है कि क्यों खाते-पीते घरों के लोग %मुफ्त का चंदन, घिस रघुनंदन% की तर्ज पर सेब की पेटियां लूटने पर आमादा हुए? क्यों उन्हें महसूस नहीं हुआ कि दुर्घटना के शिकार चालक व परिचालक की मदद पहले करनी चाहिए? वह भी उस पंजाब में जहां इस तरह के कृत्य को कभी मान्यता नहीं दी गई। जहां भूखों को खाना खिलाने की समृद्ध परंपरा रही है। ऐसा नहीं है कि ऐसी घटना सिर्फ पंजाब में हुई है, देश के विभिन्न राज्यों से गाहे-बगाहे ऐसी ही घटनाओं के वीडियो वायरल होते रहते हैं। सवाल उन महंगी कार चालकों की नीयत पर भी उठे जिन्होंने कार रोक सेब की पेटियां उठायी और चलते बने। आखिर समृद्ध लोग भी %लूट की छूट% के खेल में क्यों शामिल हो जाते हैं? यह जानते हुए कि ट्रक चालक एक तरफ तो शारीरिक रूप से घायल हुआ है, दूसरी ओर उसकी नौकरी व साख पर भी आंच आएगी। चालक रोता- गिड़गिड़ाता लोगों से कहता भी रहा कि मैं व्यापारी को क्या जवाब दूंगा? मैं क्या सबूत दूंगा कि मेरा माल चोरी हो गया? मुझे झूठा ठहरा दिया जायेगा। यहां हमें सोशल मीडिया को भी श्रेय देना होगा जिसने लूट के खेल को जगजाहिर कर दिया। अन्यथा जीटी रोड के एक गांव के पास घटी घटना का सच कभी सामने न आता। व्यापारी के कहीं उसने ट्रक का माल किसी दूसरे व्यापारी को तो नहीं बेच दिया। निस्संदेह, ज्यों-ज्यों समाज में प्रलोभन थम नहीं रहा है। यही वजह है कि पंजाब गई। उन्होंने इस घटना को पंजाब की अस्मिता पर हमारी भौतिक उन्नति तब तक सारहीन है जब तक हमारे व्यवहार में मानवीय मूल्य जीवंत नहीं होंगे। इंसानियत का पराभव हमारी गम्भीर चिंता का विषय होना चाहिए। व्यापारी के मन में ट्रक चालक को लेकर शंका जन्म लेती कि कहीं उसने ट्रक का माल किसी दूसरे व्यापारी को तो नहीं बेच दिया। निस्संदेह, ज्यों-ज्यों समाज में समृद्धि व संपन्नता आई है, लोगों का अंतहीन प्रलोभन थम नहीं रहा है। यही वजह है कि पंजाब के प्रबुद्ध और जागरूक लोगों में इस घटना की तीखी प्रतिक्रिया भारत व सात समुद्र पार भी देखी गई। उन्होंने इस घटना को पंजाब की अस्मिता पर

दाग माना और मदद की पेशकश भी की। यह घटना हमें कई सबक देकर जाती है। बताती है कि हमारी भौतिक उन्नति तब तक सारहीन है जब तक हमारे व्यवहार में मानवीय मूल्य जीवंत नहीं होंगे। इंसानियत का पराभव हमारी गम्भीर चिंता का विषय होना चाहिए।

कांग्रेस की यात्रा और कोरोना 'प्रोटोकॉल'

केंद्र सरकार और सभी राज्यों की सरकारों ने कोरोना के लगभग सारे प्रोटोकॉल वापस ले लिए हैं। अब सार्वजनिक जगहों पर, यहां तक कि विमानों के अंदर भी मास्क लगाने की अनिवार्यता नहीं है। कहीं भी यात्रा करने के लिए वैक्सीन लगाए होने की बाध्यता भी नहीं है और न सामाजिक दूरी रखने की अनिवार्यता है। हालांकि यह सब जब लागू था तब भी कई राज्यों के चुनाव हुए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य नेताओं की लाखों लोगों की भीड़ के साथ रैलियां भी हुईं। लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कांग्रेस पार्टी को चिट्ठी लिख कर कहा है कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में कोरोना प्रोटोकॉल टूट रहा है। उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करे कि यात्रा में सिर्फ वे ही लोग शामिल हों, जिन्होंने वैक्सीन लगवाई है। साथ ही उन्होंने मास्क और सैनिटाइजर का इस्तेमाल अनिवार्य करने को भी कहा है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा है कि यात्रा में जुड़ने और वहां से हटने के बाद लोगों को आइसोलेट किया जाए। अन्यथा यात्रा रोक देने को कहा है।

सोचें, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की इस चिट्ठी का क्या मतलब है? जब देश में कोई प्रोटोकॉल लागू नहीं है तो फिर इस तरह के निर्देश क्यों जारी हुए? सरकार अगर यात्रा रूकवाना चाहती है तो पहले प्रोटोकॉल लागू कर दे। कितनी हैरानी की बात है कि चीन में या जापान, कोरिया, अमेरिका में कोरोना फैल रहा है तो सरकार को सबसे पहले राहुल की यात्रा रूकवाने की सुझी! देश में कहीं भी प्रोटोकॉल लागू करने से पहले सरकार को राहुल की यात्रा की चिंता हुई! यह भी मजेदार है कि दो दिन पहले यानी 19 दिसंबर को ही सरकार ने संसद में बताया कि भारत में कोरोना के एक्टिव केसेज तेजी से घटे हैं और अब मार्च 2020 के बाद सबसे कम केस रह गए हैं। अब अगर दुनिया में केसेज बढ़ने से सरकार चिंता में है तो पहले स्थित की समीक्षा करे और यह देखे कि कौन से प्रोटोकॉल लागू करने या अभी इंतजार करना है। लेकिन उससे पहले ही यात्रा को नोटिस जारी कर दिया गया। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.80

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 79 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

वित्त मंत्री का नजरिया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के बयान पर उचित ही देश में तीखी प्रतिक्रिया हुई है। आर्थिक मसलों पर संसद में सवाल पूछने पर उन्होंने विपक्ष की तुलना देश से बाहर बैठे दुश्मनों से की और कहा कि देश की आर्थिक तरक्की से उन्हें जलन होती है। यह सीधे तौर पर सवाल पूछने और कमियों की तरफ इशारा करने की जरूरी प्रवृत्ति को अपने समर्थक जमातों के बीच देश-द्रोही ठहरा देने का नजरिया है। इसके पीछे सोच यह है कि सरकार जो कहानी बताती है, उसे जो भी उसी रूप में स्वीकार नहीं करता और उस पर बहस करना चाहता है, उसकी साख को संदिग्ध कर दिया जाए। मुमकिन है कि इस आक्रामकता के पीछे असल कारण जवाब का अभाव हो। आखिर देश की अर्थव्यवस्था के कई ऐसे पहलू हैं, जिन पर अगर सरकार खुल कर चर्चा करने को तैयार हो, उसे खुद 'तरक्की' की बनाई गई अपनी कहानी में कई छेद नजर आएंगे। बहरहाल, अगर वह छेद देखने को तैयार हो, तो उससे समाधान का रास्ता भी नजर आ सकता है। लेकिन वर्तमान सरकार कोई समस्या नहीं देखना चाहती। जाहिर है, वह इन मुद्दों की चर्चा सिरे से ठुकरा देना चाहती है, ताकि भूले से भी उसकी समर्थक जमातों का ध्यान उनकी तरफ ना जाने लगे।

इस कोशिश में जनता से चुन कर आए विपक्षी प्रतिनिधियों की देशभक्ति पर भी अगर अंगुली उठानी हो, तो उसे इसमें कोई

हिचक नहीं होती। लेकिन इस नजरिए के कारण देश अलग-अलग नैरेटिव्स में बंटता चला गया है। देश के दूरगामी भविष्य के नजरिए यह चिंताजनक बात है। राष्ट्र की मजबूती सहमति और साझा हित के अधिकतम पहलुओं की तलाश से होती है। देशभक्त शक्तियों का कर्तव्य ऐसे पहलुओं को ढूंढना और उन्हें स्वीकार्य बनाना होता है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्तमान सरकार आर्थिक मुद्दों पर विपक्षी विश्लेषण को नहीं सुनना चाहती। अगर सचमुच वह एक खास धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान आधारित राष्ट्र निर्माण में जुटी होती, तो उसे इन मुद्दों की अवश्य चिंता होती। इसलिए कोई राष्ट्रवाद संबंधित पहचान से जुड़े लोगों की खुशहाली सुनिश्चित नहीं करता, तो वह टिकाऊ नहीं हो सकता। वह महज कुछ समूहों और वर्गों की सत्ता और वर्चस्व को, जब तक संभव हो, टिकाए रहने का जरिया ही हो सकता है। (आरएनएस)

कुत्ते में तब्बू का किरदार पहले एक पुरुष कैरेक्टर के लिए था

अभिनेत्री तब्बू ने खुलासा किया है कि फिल्म 'कुत्ते' में उनकी भूमिका पहले एक पुरुष चरित्र के लिए लिखी गई थी, लेकिन निर्देशक आसमान भारद्वाज और उनके संगीतकार-निर्माता पिता विशाल भारद्वाज ने इसे बदल दिया। 'कुत्ते' आसमान भारद्वाज की डायरेक्टर के रूप में पहली फिल्म है। मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए विशाल के साथ 'मकबूल' और 'हैदर' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री तब्बू ने कहा, यह किरदार एक पुरुष के लिए लिखा गया था, लेकिन आसमान और विशाल जी ने मेरे लिए बदल दिया। आसमान मेरी नजर के सामने बड़ा हुआ है।

उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म में काम करना उनके लिए गर्व की बात है क्योंकि उन्होंने आसमान को अपनी आंखों के सामने बड़ा होते देखा है।

आसमान मेरे सामने ही बड़ा हुआ है, मेरे सामने सेट्स पर लकड़ी का कैमरा लेके घूमता था। वह फिल्मों की दुनिया में खोया रहता था। उन्हें 'कुत्ते' जैसा कुछ लिखते देखना मेरे लिए गर्व की बात है क्योंकि विशाल जी, रेखा जी और आसमान मेरे लिए एक परिवार हैं।

'कुत्ते' 13 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। (आरएनएस)

जमीन के नाम पर 3 करोड की धोखाध्डी में सात लोगों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर तीन करोड की धोखाधडी में सात लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रानगर निवासी ज्योति विजय रावत ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके परिचित राजेन्द्र सिंह नेगी, निवासी बल्लुपुर व महेन्द्र सिंह निवासी कौलागढ ने बताया कि तहसील विकासनगर का एक अमीन अपनी ग्राम शेरपुर की भूमी जिसकी बाजारी कीमत 25 करोड रूपये है को अपनी आर्थिक मजबूरी में कुल चार करोड रूपये में बैचने को तैयार है और उन्होंने उसको मांगेराम राठौर, उसकी पत्नी श्रीमती मुकेश पुत्र अभिषेक राठौर, पुत्री प्रिया, शिवानी राठौर से मिलवाया। उसके पूछे जाने पर मांगेराम ने बताया कि उसके पुत्र की सेलाकुई में फैक्ट्री है जिसमें लोकडाउन के दौरान काफी नुकसान हो गया था तथा उनको बैंक के तीन करोड रूपये देने हैं नहीं तो उनकी सम्पत्ति नीलाम हो जायेगी। जिसके बाद उसने उनको तीन करोड चालीस लाख रूपये देकर जमीन का अनुबंध करा लिया था। लेकिन बाद में उसको पता चला कि उक्त जमीन उनकी नहीं है। जिसके बाद उसको पता चला कि उक्त लोगों ने मिली भगत कर उसके साथ धोखाधडी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चरस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने जिला पंचायत कार्यालय के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 565 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम शाहरूख पुत्र मुमताज निवासी रेडापुर छरबा बताया। वहीं डोईवाला कोतवाली पुलिस ने एयरपोर्ट तिराहे के पास से एक युवक को 110 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम गौरव पुत्र प्रेम सिंह निवासी मिस्सरवाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्रतिबन्धित काजल-काठ की लकड़ी... पृष्ठ 1 का शेष

तस्करी करते हुये पकड़ा गया। वाहन से 144 नग बरामद किये गये। ये लोग भटवाड़ी के सालंग क्षेत्र से इस प्रतिबन्धित लकड़ी को उत्तर-प्रदेश सहारनपुर ले जा रहे थे, लेकिन पुलिस की सतर्कता ने इनको नाकाम कर दिया। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु इनको मय प्रतिबन्धित लकड़ी के वन विभाग के सुपुर्द किया गया।

एसपी उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि काजल की लकड़ी उच्च हिमालय के आरक्षित वन क्षेत्र में पाई जाती है। काजल औषधीय दृष्टिकोण से सर्वोत्तम मानी जाती है। इसे बौद्ध सम्प्रदाय के लोग इसके बर्तन (बाउल) बनाकर खाद्य एवं पेय पदार्थों के लिए इस्तेमाल करते हैं। भारत, चीन, तिब्बत, नेपाल आदि देशों में इस लकड़ी की तस्करी कर उच्च कीमतों पर बेचा जाता है। पकडे गये लोगों ने अपने नाम जनक बहादुर पुत्र बूढे बहादुर निवासी नई बस्ती थाना कलेमनटाउन देहरादून हाल पता लोदी सराय सहारनपुर, खेमराज रोकाया पुत्र लाल रोकाया निवासी लोदी सराय सहारनपुर, विनोद कुमार पुत्र रघुवीर सिंह निवासी नन्दपुरी कॉलोनी सहारनपुर (चालक) बताये। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाने की तैयारी.. पृष्ठ 1 का शेष

थे जिनमें महिलाएं व बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि हाईकोर्ट का आदेश है तो अतिक्रमण तो हटेगा ही इसके लिए सारी तैयारी कर ली गई है। 20 पोकलैंड और 20 जेसीबी का इंतजाम किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी चिन्हीकरण हो रहा है ध्वस्तीकरण की कार्यवाही 8 जनवरी से होगी। उन्होंने लोगों से सहयोग व शांति बनाए रखने व कानून हाथ में न लेने की अपील की है।

पुरोला विधायक के पत्र का गलत इस्तेमाल

संवाददाता

देहरादून। पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल के लेटर हेड का गलत इस्तेमाल कर उसको जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया। जिसकी शिकायत विधायक ने पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार से मिलकर की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के पुरोला सीट से भाजपा विधायक दुर्गेश्वर लाल के लेटर हेड का इस्तेमाल करते हुए डीएम, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कार्यालय को पत्र भेजने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामले में विधायक दुर्गेश्वर लाल को उस वक्त जानकारी हुई जब इस फर्जी पत्र के उत्तर सीएम व डीएम कार्यालय से मिले। इससे परेशान होकर विधायक ने जांच पड़ताल शुरू की तो पता लगा पूर्व में उनके द्वारा एक विभाग को भेजे गए पत्र की हूबहू नकल तैयार कर उनके नाम व हस्ताक्षर का गलत इस्तेमाल कर उनके इलाके में स्थित एक भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए पत्र लिखा गया है। यह सारा मामला होता देख विधायक दुर्गेश्वर लाल ने मामले में तत्काल डीजीपी उत्तराखंड अशोक कुमार से उनके

●डीएम से लेकर सीएम कार्यालय तक भेजा गया पत्र

कार्यालय में मिलकर उनसे शिकायत करते हुए मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की मांग की है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक दुर्गेश्वर लाल ने बताया है कि यह उनकी छवि खराब करने की साजिश है और मामले में पुलिस जांच कर जल्द आरोपियों को पकड़ लेगी।

दुर्गेश्वर लाल का कहना है कि क्षेत्र में यह मामला लोगों के बीच उनकी छवि खराब करने के लिए तैयार किया गया है। उन्हें शक है कि किसी ने किसी सरकारी कार्यालय से उनका पत्र गायब किया गया है। विधायक की शिकायत को पुलिस विभाग ने गम्भीरता से लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने पर चार के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनपुर निवासी ज्योतिराम ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने घर के बाहर खडा था तभी रामपुर निवासी अकबर, इजरान, खुर्शीद, व ईनाम वहां पर आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विवाहिता से मारपीट कर तीन तलाक कहने पर सात के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (सं)। विवाहिता से मारपीट कर अप्राकृतिक सम्बन्ध बनाने व मना करने पर तीन तलाक कहकर घर से निकालने के मामले में पुलिस ने पति सहित सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवनगढ निवासी महिला ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह विशालपुर हरियाणा निवासी फकीरिया उर्फ सोनू के साथ हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद से ही उसके ससुराल वाले उसको दहेज के लिए प्रताडित करने लगे थे। उसके परिवार वालों के कई बार समझाने पर भी उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। उसका पति उसको कई बार अप्राकृतिक सम्बन्ध बनाने के लिए मजबूर करता था जब उसने उसकी नहीं मानी तो उसने उसको तीन बार तलाक कहकर घर से निकाल दिया।

शकुंतला काला बिंजोला बनी उक्रांद महिला प्रकोष्ठ की महानगर अध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल की केन्द्रीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा ने श्रीमती शकुंतला काला बिंजोला को उक्रांद महिला प्रकोष्ठ का महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया।

आज यहां उत्तराखंड क्रांति दल की केंद्रीय महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा सुलोचना ईष्टवाल ने श्रीमती शकुंतला काला बिंजोला को देहरादून महानगर महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर श्रीमती शालिनी कैंतुरा दल में शामिल हुई जिन्हे बद्रीपुर नवादा मण्डल का प्रभारी नियुक्त किया। इस अवसर पर सुलोचना ईष्टवाल ने कहाँ कि महिलाओं के योगदान से राज्य का निर्माण हुआ। 22 वर्षों में राज्य की जो दुर्दशा भाजपा और कांग्रेस ने किया इसे दुरुस्त उक्रांद महिला प्रकोष्ठ जनता के बीच जाकर पोल खोलेगा। पूरे प्रदेश में महिला प्रकोष्ठ को मजबूत कर महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष करेंगी। उक्रांद महिला प्रकोष्ठ अंकिता भंडारी हत्या एवं उससे पूर्व हुई घटनाओं को लेकर सरकार पर दबाव बनाकर सी बी आई जाँच की मांग करेंगी। इस अवसर पर उत्तरा पंत बहुगुणा,रमा चौहान,सरोज मेहर, नीलम लखेडा, नैना लखेडा, एकादशी बहुगुणा आदि उपस्थित थे।

मातृ सेवा सदन मो0 9760941522
वृद्ध माताओं का आश्रम (श्य्याग्रस्त न हों) निःशुल्क भोजन, वस्त्र एवं मैडिकल
सम्पूर्ण समर्पण फॉउन्डेशन (रजि.) 31/1 धर्मपुर, देहरादून
हेड ऑफिसः- साई छाया, जोहड़ी गाँव, देहरादून

एक नजर

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने दलितों को दिलाया मंदिर में प्रवेश

चेन्नई। तमिलनाडु में दलितों को मंदिर में प्रवेश से रोके जाने पर खुद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंच गए। भारी पुलिस फोर्स के साथ पहुंचीं जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने दलितों को मंदिर में प्रवेश दिलाया और साथ ही इसका विरोध करने वालों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करने के भी निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक पुडुकोट्टई जिले के वेंगईवयल गांव में पानी की एक टंकी में मानव मल मिला था। इस पानी की टंकी का इस्तेमाल गांव के दलित करते थे। इसका खुलासा तब हुआ, जब हाल ही में दलित बिरादरी के तीन बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। तीनों बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। एक डॉक्टर ने ये जांच करने की सलाह दी कि कहीं इन बच्चों के बीमार होने के पीछे दूषित पेयजल तो नहीं। डॉक्टर की सलाह के बाद पानी की सप्लाई के लिए इस्तेमाल की जाने वाली टंकी की साफ-सफाई शुरू हुई तो उसमें मानव मल मिला। अनुसूचित जाति के दबदबे वाले गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए उपलब्ध एकमात्र टंकी में मानव मल मिलने की घटना हड़कंप मच गया। घटना को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारी एक्टिव मोड में आ गए जिलाधिकारी कविता रामू भी एक्टिव मोड में आ गईं और गांव के लोगों की स्वास्थ्य जांच के लिए चिकित्सा शिविर लगवाया। जिलाधिकारी कविता रामू भी चिकित्सा शिविर में पहुंचीं और लोगों से बातकर उनकी समस्याएं सुनीं। इसी शिविर में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ये जानकारी दी कि उन्हें मंदिर के अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। मामला जैसे ही जिलाधिकारी के संज्ञान में आया, उन्होंने इलाके के लोगों को बुलवा लिया। डीएम ने इलाके के लोगों को बुलवाकर मंदिर का पट तत्काल खोलने और सभी को दर्शन कराने का आदेश दिया। डीएम ने ये भी कहा कि भविष्य में किसी को मंदिर में प्रवेश से रोका न जा सके, इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और नजर रखी जाएगी। जिलाधिकारी के साथ साथ इस दौरान पुलिस अधीक्षक वंदिता पांडेय भी मौके पर मौजूद रहीं। जिले की दोनों वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में दलितों को मंदिर में प्रवेश कराया गया। अधिकारियों ने अनुसूचित जाति के लोगों को मंदिर में प्रवेश से रोकने के लिए दो लोगों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप से अनुसूचित जाति के लोग सदियों से जिस अधिकार से वंचित थे, वह मिल गया।

टिहरी झील में वाटर स्पोर्ट्स कप प्रतियोगिता शुरू

संवाददाता

नई टिहरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को टिहरी झील में आयोजित नेशनल चौंपियनशिप "टिहरी वाटर स्पोर्ट्स कप" का उद्घाटन किया इस दौरान केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने आयोजन स्थल पर लगे विभिन्न स्टाल्स का निरीक्षण किया साथ ही पहले सत्र की विजेता टीमों मेडल प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह पहला मौका है जब टिहरी झील में राष्ट्रीय स्तर की इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने कहा कि आज देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समृद्ध खेल संस्कृति का विकास हो रहा है, हाल के दिनों में हमारे खिलाड़ियों द्वारा विभिन्न खेलों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे ऐतिहासिक प्रदर्शन इसका प्रमाण हैं।

उन्होंने कहा कि खेल एक ऐसी विधा है जिसके जरिए खिलाड़ी न केवल अपना और अपने परिवार का नाम रोशन करते हैं बल्कि इससे उनके प्रदेश और देश का नाम भी रोशन होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखण्ड की युवा पीढ़ी के अनेकों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का सम्मान बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में जहां एक ओर सरकार ने "नई खेल नीति" लागू की है वहीं दूसरी ओर सरकार ने नौकरियों में पुनः खेल कोटा प्रारंभ करने का ऐलान भी किया है। उन्होंने टीएचडीसी का इस आयोजन हेतु आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस खेल से

❑केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह व सीएम धामी ने किया उद्घाटन
❑कई राज्यों के 230 एथलेटिक्स ले रहे हैं भाग

एक ओर जहां राज्य के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा वहीं दूसरी ओर टिहरी क्षेत्र में पर्यटन का विकास भी होगा। उन्होंने कहा कि टिहरी में इस खेल के आयोजन से वाटर स्पोर्ट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले देश और प्रदेश के नौजवानों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

इस दौरान अपने संबोधन में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा कि खेलों को बढ़ावा केंद्र सरकार की प्राथमिकता में है। ऊर्जा मंत्रालय द्वारा यह तय किया गया है कि ऊर्जा मंत्रालय की हर एक कंपनी एक खेल को अंगीकृत करेगी, इसी क्रम में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा कयाकिंग कैनाइंग खेल को अंगीकृत किया गया है । केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि टिहरी में विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त ट्रेनिंग सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिसमें खिलाड़ियों के ठहरने से लेकर ट्रेनिंग की भी व्यवस्था की जाएगी। श्री सिन्हा ने कहा कि इस ट्रेनिंग सेंटर में बेहतर खेल प्रतिभाओं को टीएचडीसी द्वारा विदेश में भी ट्रेनिंग दी जाएगी।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए केंद्र और राज्य सरकार है एक साथ मिलकर काम कर रही हैं। इस दौरान टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने आयोजकों का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोना सजवाण, विधायक शक्ति लाल शाह , विनोद कंडारी, विक्रम सिंह पांवर के अलावा सचिव ऊर्जा मीनाक्षी सुंदरम, उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव डीके सिंह, टीएचडीसी के सीएमडी आरके विश्नोई समेत विभिन्न राज्यों के 15 टीमों ने प्रतिभागी मौजूद रहे।

कार में मृत पाए गए बॉब मार्ले के पोते व रेगे कलाकार जो मर्सा मार्ले

लॉस एंजिलेस । दिवंगत मशहूर जमैकन सिंगर, म्यूजीशियन और सॉन्गराइटर बॉब मार्ले के पोते और स्टीफन मार्ले के बेटे व जमैकन-अमेरिकन रेगे कलाकार जोसेफ "जो मर्सा" मार्ले का 31 साल की उम्र में निधन हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जो मेर्सा अपनी कार में मृत मिले पाए गए। सिंगर की मौत अस्थमा अटैक की वजह से हुई है। वहीं, जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू हॉलनेस ने जो मर्सा मार्ले के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पीएम ने कहा, "मैं मार्ले परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। बता दें, जो मर्सा का जन्म 12 मार्च 1991 में जमैका के किंगस्टन में हुआ

था। साल 2010 में सॉन्ग "माय गर्ल" से रेगे कलाकार ने सिंगिंग की दुनिया में कदम रखा था। इस गाने में जो मर्सा को उनके कजिन डेनियल बाम्बाटा मार्ले संग देखा गया था। इसके दो साल बाद जो मेर्सा का गाना "डेंजर्स" रिलीज हुआ था, जिसे 2014 में उनके 2014 ईपी शीर्षक "कम्फर्टेबल" में शामिल किया गया था। सॉन्ग "द बर्न इट डाउन" फेम सिंगर जो मर्सा का ज्यादातर समय जमैका में बीता था। वहीं, हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए सिंगर को फ्लोरिडा भेज दिया गया था। इसके बाद सिंगर ने स्टूडियो इंजीनियरिंग करने के लिए मियामी डाडे कॉलेज ज्वॉइन किया था। साल 2021 में जो मर्सा ने अपनी डेब्यू एल्बम रिलीज की थी। इससे पहले एक अमेरिकी मैग्जीन रोलिंग स्टोन को दिए एक इंटरव्यू में दिवंगत कलाकार ने सिंगिंग जगत में अपनी जगह बनाने के बारे में बात की थी। इस दौरान दिवंगत रेगे कलाकार ने कहा था, "मैं मार्ले की नई पीढ़ी में से एक हूं, लेकिन मैं अभी भी उसी समय पर प्रयोग कर रहा हूं, मेरे प्लान अपने अतीत के साथ कुछ नया करने के हैं"। रेगे के निधन से सिंगिंग जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

बुलैरो की चपेट में आकर बुलेट सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। बुलैरो पिकअप की चपेट में आकर बुलेट सवार घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चकराता रोड निवासी अभिषेक तलवार अपनी बुलेट मोटरसाईकिल से किमाडी की तरफ से गज्ज्वाडी की तरफ जा रहा था तभी सामने से आ रही बुलैरो पिकअप ने उसको अपनी चपेट में ले लिया। जिससे अभिषेक गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घायल के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिजली चोरी में दो पर मुकदमा

देहरादून। बिजली चोरी के मामले में पुलिस ने दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उपसंस्थान गणेशपुर की अवर अभियंता रेनू सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने घिस्सरपडी में राबिया खान व सद्दाम के घरों पर छापा मारा तो वहां पर एलटी लाईन पर कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड लिया।

लाखों की स्मैक सहित अंतर्राज्यीय ड्रग्स डीलर दबोचा

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ को कल देर रात खासी सफलता हाथ लगी है। एसटीएफ व कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने यूपी बार्डर से एक अर्तराज्यीय नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से भारी मात्रा में लाखों रूपये की स्मैक बरामद की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि एसटीएफ को पिछले कई दिनों से जनपद उधम सिंह नगर के थाना पुलभट्टा क्षेत्र से लगे यूपी उत्तराखंड बॉर्डर क्षेत्र के पास ड्रग्स तस्करी की सूचनाएं मिल रही थी। मिल रही सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की टीम द्वारा बदायूं के रहने वाले एक ड्रग्स डीलर राकेश पुत्र सोहनलाल निवासी ग्राम मौसमपुर जिला बदायूं को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 139 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। जिसकी कीमत लाखों रूपये बतायी जा रही है। बताया कि गिरफ्तार हुआ ड्रग्स डीलर पूर्व में भी उत्तराखंड में ड्रग्स की सप्लाई कर चुका है। एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर के नशे के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा स्पष्ट किया गया कि उत्तराखंड एसटीएफ ड्रग्स डीलरों के खिलाफ लगातार आगे भी कार्वाई करती रहेगी, और ऐसे ड्रग्स डीलर जो पड़ोसी राज्यों से अपने घरों में बैठकर उत्तराखंड में ड्रग्स की सप्लाई कर रहे हैं उन्हें एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत गिरफ्तार कर ड्रग्स से कमाई उनकी संपत्ति जब्तीकरण की कार्वाई होगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।